राजस्थान सरकार

सत्यमेव जयते

भू जल विभाग, जोधपुर

निष्पादन आय–व्ययक

2013-2014

आमुख

भू–जल विभाग का वर्ष 2013–2014 का निष्पादन आय व्ययक प्रस्तुत किया जा रहा है । इसमें विभाग के आय–व्ययक विवरणों के साथ ही भू–जल विभाग की प्रमुख गतिविधियों का समावेश किया गया है । इस प्रलेख को जितना सम्भव हो सका है, विद्यान सभा के लिये उपयोगी बनाने का प्रयास किया गया है, तथापि इसमें सुधार हेतु सुझावों का स्वागत है ।

भू जल विभाग, सम्पूर्ण राजस्थान में नलकूपों का निर्माण, खुले कुओं को बोरिंग और ब्लास्टिंग द्वारा गहरा करने और भू–जल सर्वेक्षण कर भूमिगत जल भण्डारों की खोज कर रहा है । इस विभाग के सतत् प्रयत्नों का स्वच्छ पेयजल की उपलब्धि तथा सिंचाई के लिये पर्याप्त जल व्यवस्था में महत्वपूर्ण योगदान रहा है ।

मार्च, 2013

प्रमुख शासन सचिव
जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी
एवं भू–जल विभाग
राजस्थान, जयपुर ।

विषय सूची

विभाग द्वारा संचालित योजनाओं का विवरण	1–2
विभागीय संगठन	2–3
कार्य–कलाप	3
वित्तीय विवरण	4
वित्तीय आवश्यकताओं का विषयवार वर्गीकरण	5–6
वित्तीय व्यवस्था के स्त्रोत (2013–2014)	7
वित्तीय आवश्यकताओं का स्पष्टीकरण	
(1) बजटमद भूमिगत जल का सर्वेक्षण एवं अनुसंधान	7–8
(2) बजटमद 01 निर्देशन एवं प्रशासन	8
(3) बजटमद 02 कुओं और तालाबों का निर्माण तथा उन्हें गहरा करना कार्यकारी	9–11
(4) राजस्व प्राप्तियाँ	12
(5) की वैल मोनिटरिंग का कार्य	12
(6) जल मौसम विज्ञान	12
(7) दीर्घकालीन भू–जल प्रबंधन	12–14
(8) यूरोपियन कमीशन स्टेट पार्टनशिप कार्यक्रम	14–15
(9) भू–जल संसाधनों का आंकलन	15

राजस्थान सरकार

भू – जल विभाग, जोधपुर

निष्पादन आय-व्ययक 2013-2014

प्रस्तावना :

मानव की मूलभूत आवश्यकताओं में जल का प्रमुख स्थान है । राजस्थान प्रदेश में वर्षा की नितान्त अनिश्चितता और जलाशयों में सीमित मात्रा में जल उपलब्धता के कारण प्रदेश में जल मॉग की आपूर्ति मुख्यतः भू–जल संसाधन पर आश्रित है । जनसंख्या में वृद्धि और सिंचित क्षेत्रों के बढ़ने के कारण भू–जल के उपयोग में निरन्तर वृद्धि हुई है । इस परिप्रेक्ष्य में भू–जल विभाग का भूमिगत जल संसाधनों की भण्डारण एवं जलदेय क्षमता अक्षुण बनाये रखने का दायित्व है । विभाग के सतत और सफल प्रयासों से रेगिस्तानी जिलों में जल की उपलब्धता बढ़ी है तथा पहाड़ी जिलों में जल स्तर में परिवर्तन को भी सीमित रखने में सफलता मिली है ।

विभाग द्वारा संचालित योजनाओं का विवरण :–

राज्य सरकार की नीति के अनुसरण में विभाग मुख्य रूप से निम्न योजनाओं को क्रियान्वित करता हैं –

1. विस्फोटन (ब्लास्टिंग) द्वारा कुऐ गहरे करना ।
2. जनजाति कृषकों के लिये निम्न योजनाओं के अन्तर्गत कुओं को गहरे करना–
   (क) जनजाति उपयोजना क्षेत्र विकास योजना ।
   (ख) परिवर्तित क्षेत्र विकास योजना
3. बीस सूत्रीय कार्यक्रम के अन्तर्गत अनुसूचित जाति के कृषकों के कुओं का विस्फोटन द्वारा गहरा करना ।
4. साधारण क्षेत्र में स्थित कुओं में बोरिंग व नलकूपों का निर्माण –
   (क) जलदाय विभाग तथा अन्य विभाग के लिये नलकूपों का निर्माण
   (ख) अन्य योजनाओं के अन्तर्गत तथा जन साधारण की आवश्यकता पूर्ति हेतु नलकूपों का निर्माण ।
5. सर्वेक्षण एवं अनुसंधान कार्य :

सर्वेक्षण एवं अनुसंधान के अन्तर्गत विभाग वर्ष 2013–2014 में निम्न कार्य सम्पादित करेगा –

1) की–वैल मोनिटरिंग

2) जल नमूनों का सर्वेक्षण

3) भू–भौतिक सर्वेक्षण एवं भू जल खोज

6. केन्द्रीय कार्यशाला ।

विभागीय संगठन :

विभाग का संचालन मुख्य अभियन्ता की देखरेख में होता है । उनके अधीन अभियांत्रिक वृत तथा सर्वेक्षण एवं अनुसंधान वृत कार्यरत है । जो क्रमशः तीन अधीक्षण अभियन्ताओं व चार अधीक्षण भू–जल वैज्ञानिकों की देख–रेख में कार्य करते है । अधीक्षण अभियन्ताओं के मुख्यालय जोधपुर, जयपुर, उदयपुर में स्थित है तथा अधीक्षण भू–जल वैज्ञानिकों के मुख्यालय जोधपुर, जयपुर, उदयपुर व बीकानेर में स्थित है ।

इसके अतिरिक्त एक अधीक्षण अभियन्ता (के.भण्डार), एक अधीक्षण अभियन्ता (मुख्यालय) तथा एक अधीक्षण अभियन्ता एवं तकनकी सहायक (प्रथम) तथा एक वरिष्ठ भूजल वैज्ञानिक एवं तकनीकी सहायक (द्वितीय) के रूप में कार्यरत है । मुख्यालय पर लेखा सम्बन्धी कार्य में परामर्श एवं सहयोग हेतु मुख्य लेखाधिकारी का पद स्वीकृत है ।

क्र. सं. कार्य का विवरण	जिले एवं कार्यक्षेत्र
(1) अभियांत्रिकी शाखा	
(क) अधीक्षण अभियन्ता, जोधपुर	
1. पेयजल, सिंचाई तथा विभिन्न संस्थानों के लिये नलकूपों का निर्माण व साधारण कुओं में बोरिंग ।	जोधपुर, जैसलमेर, सिरोही, पाली, बाड़मेर, नागौर एवं जालौर ।
2. ब्लास्टिंग इकाईयों द्वारा साधारण कुओं को गहरा करना ।	–उपरोक्तानुसार–
(ख) अधीक्षण अभियन्ता, जयपुर	
1. पेयजल, सिंचाई तथा विभिन्न संस्थानों के लिये नलकूपों का निर्माण व साधारण कुओं में बोरिंग ।	जयपुर, दौसा, अलवर, सीकर, झुंझुनू, भरतपुर, धौलपुर, टोंक सवाईमाधोपुर, टोंक, बीकानेर, चुरु गंगानगर, हनुमानगढ़ व करौली ।
2. ब्लास्टिंग इकाईयों द्वारा साधारण कुओं को गहरा करना ।	–उपरोक्तानुसार–

क्र. सं. कार्य का विवरण	जिले एवं कार्यक्षेत्र
(ग) अधीक्षण अभियन्ता, उदयपुर	
11. पेयजल, सिंचाई तथा विभिन्न संस्थानों के लिये नलकूपों का निर्माण व साधारण कुओं में बोरिंग ।	उदयपुर, डूंगरपुर, बाँसवाड़ा, बारां, चितौड़गढ़, अजमेर, भीलवाड़ा, कोटा, बून्दी, झालावाड़, राजसमंद, प्रतापगढ
2. ब्लास्टिंग इकाईयों द्वारा साधारण कुओं को गहरा करना ।	–उपरोक्तानुसार–
(2) सर्वेक्षण एवं अनुसंधान शाखा :–	
(क) अधीक्षण भूजल वैज्ञानिक, जोधपुर	जोधपुर, जैसलमेर, बाड़मेर, जालौर, पाली, सिरोही, नागौर, बीकानेर, चुरु श्रीगंगानगर एवं हनुमानगढ़
(ख) अधीक्षण भूजल वैज्ञानिक, उदयपुर	उदयपुर, अजमेर, भीलवाड़ा, बूंदी, चित्तौड़गढ, डूँगरपुर, बांसवाड़ा, राजसमन्द, प्रतापगढ,
(ग) अधीक्षण भूजल वैज्ञानिक, जयपुर	जयपुर, दौसा, अलवर, सीकर, झुन्झुनू, भरतपुर, धौलपुर, कोटा, झालावाड़, बारां, सवाईमाधोपुर,टोंक, करौली ।

कार्यकलाप (आयोजना भिन्न) :

आयोजना भिन्न के तहत वर्ष 2013–2014 में रूपये 5990.87 लाख का प्रावधान रखा गया है । जिसके तहत विभाग के नियमित कार्यक्रम नलकूप निर्माण कुओं में वेधन व विस्फोटन का कार्य तथा भू–जल सर्वेक्षण एवं अनुसंधान सम्बन्धी कार्य किये जायेंगे ।

कार्यकलाप (राज्य योजना) :

विभाग की वर्ष 2013–2014 की वार्षिक योजना रूपये 168.70 लाख की निर्धारित की गई है । इसके अन्तर्गत भवन निर्माण, ड्रिलिंग रिंग खरीद, सर्वे व अनुसंधान हेतु सोफटवेयर खरीद आदि कार्य किये जायेंगे।

वित्तीय विवरण

(रूपये लाखों में)

क्र.सं.	कार्यकलाप	वास्तविक व्यय लेखा वर्ष 2011-2012			आय व्ययक वर्ष 2012-2013			संशोधित अनुमान वर्ष 2012-2013			आय व्ययक वर्ष 2013-2014		
		आयोजना भिन्न	आयोजना	के.प्र.यो.	आयोजना भिन्न	आयोजना	के.प्र.यो.	आयोजना भिन्न	आयोजना	के.प्र.यो.	आयोजना भिन्न	आयोजना	के.प्र.यो.
1	2702– लघु सिंचाई 02 भू-जल, 005–अन्वेषण (01) भूमिगत जल का सर्वेक्षण एवं अनुसंधान	1246.93	---		1462.84	---	---	1276.05	---	---	1501.29	---	---
	800 अन्य व्यय (01) कूप द्वारा भू-जल कृत्रिम पुनर्भरण 28 विविध व्यय	---	---	---	---	---	---	---	---	5.204	---	---	0.01
	03 रखरखाव, 103 नलकूप (ट्यूबवेल) 01 कुओं और तालाबों का निर्माण एवं उन्हें गहरा करना। (01) निर्देशन एवं प्रशासन ।	484.75		---	551.92 0.01(प्रभृत)	---	---	514.12 --- 0.08(प्रभृत)	---	---	572.92 0.01 (प्रभृत)	80	---
	(02) कार्यकारी	3632.71	---	---	3877.30	---	---	3862.10	---	---	3916.65	---	---
2	4702 – लघु सिंचाई पर पूंजीगत परिव्यय 102 –भूजल (01) भू-जल विभाग द्वारा संचालित कार्य (आयोजना) (01) मशीनरी आदि का क्रय (02) भवन निर्माण		---- 69.14	---- ---	---- ---	0.01 15.78	---- ---	---- ---	0.01 ---- 15.50	---- ---	---- ---	0.01 88.68	---- ---- ---
3	4702 – लघु सिंचाई पर पूंजीगत परिव्यय 796 जनजातीय क्षेत्र उपयोजना (07) लघु सिंचाई निर्माण कार्य (01) भू-जल विभाग के माध्यम से 17 वृहद निर्माण कार्य	----	---- ----	---- ----	---- ----	---- 4.16	---- ----	---- ----	---- 2.28	---- ----	---- ----	---- 0.01	---- ----
	योग (1) दत्तमत	5364.39	69.14	---	5892.06	19.95	---	5652.27	17.79	5.204	5990.86	168.70	0.01
	(2) प्रभृत	---	---	---	0.01	---	---	0.08 (प्रभृत)	---	---	0.01	---	---

विषयवार वर्गीकरण

कोड संख्या	लेखा शीर्षक	वास्तविक व्यय लेखा वर्ष 2011-12		
		आयोजना भिन्न	आयोजना	के.प्र.यो.
1	2	3	4	5
01	संवेतन	3222.76	0.00	0.00
02	मजदूरी	0.52	0.00	0.00
03	यात्रा व्यय	71.64	0.00	0.00
04	चिकित्सा व्यय	32.64	0.00	0.00
05	कार्यालय व्यय	36.74	0.00	0.00
05	कार्यालय व्यय (आयोजना)	0.00	0.00	0.00
06	नवीन वाहनों का क्रय	5.65	0.00	0.00
07	कार्यालय वाहनों का संचालन एवं संधारण	3.01	0.00	0.00
08	वृतिक एवं विशिष्ट सेवाऐं	1.14	0.00	0.00
09	किराया, रेट और कर/रॉयल्टी	14.07	0.00	0.00
13	छात्रवृति एवं वजीफा	0.85	0.00	0.00
16	लघु निर्माण कार्य	0.49	0.00	0.00
20	कार्यकलाप संबंधी वाहनों का संधारण	20.91	0.00	0.00
21	अनुरक्षण एवं मरम्मतें	997.51	0.00	0.00
22	सामग्री एवं प्रदाय	891.45	0.00	0.00
28	विविध व्यय	49.63	0.00	0.00
32	डिक्री सम्बन्धी व्यय (प्रभृत)	1.61	0.00	0.00
36	वाहन किराया	0.00	0.00	0.00
37	वर्दीयां तथा अन्य सुविधाएं	3.15	0.00	0.00
43	कर्मचारी एवं श्रमिक कल्याण व्यय	0.00	0.00	0.00
89	अंशदायी पेंशन योजना में सरकार का अंशदान	10.62	0.00	0.00
01	18-मशीनरी और साज समान/औजार एवं संयंत्र	0.00	0.00	0.00
02	भवन निर्माण कार्य 17-वृहद्ध निर्माण कार्य	0.00	69.14	0.00
28	800-अन्य व्यय, (01) कूप द्वारा भूजल कृत्रिम पुनर्भरण, 28-विविध व्यय **(CSS)**	0.00	0.00	0.00
796	जनजातिय क्षेत्र उपयोजना	0.00	0.00	0.00
29	प्रशिक्षण	0.00	0.00	0.00
62	कम्प्यूटराईजेशन एवं तत्सम्बन्धी संचार व्यय	0.00	0.00	0.00
62	कम्प्यूटराईजेशन एवं तत्सम्बन्धी संचार व्यय (आयोजना)	0.00	0.00	0.00
	योग	**5364.385**	**69.14**	**0.00**

विषयवार वर्गीकरण

आय-व्यय अनुमान वर्ष 2012-13			संशोधित अनुमान वर्ष 2012-13			आय-व्यय अनुमान वर्ष 2013-14		
आयोजना भिन्न	आयोजना	के.प्र.यो.	आयोजना भिन्न	आयोजना	के.प्र.यो.	आयोजना भिन्न	आयोजना	के.प्र.यो.
6	7	8	9	10	11	12	13	14
3810.00	0.00	0.00	3410.00	0.00	0.00	3887.40	0.00	0.00
1.05	0.00	0.00	1.29	0.00	0.00	0.49	0.00	0.00
72.00	0.00	0.00	73.50	0.00	0.00	66.50	0.00	0.00
25.80	0.00	0.00	57.30	0.00	0.00	22.50	0.00	0.00
37.00	0.00	0.00	60.60	0.00	0.00	40.00	0.00	0.00
0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	66.00	0.00
0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
3.10	0.00	0.00	2.90	0.00	0.00	3.70	0.00	0.00
1.00	0.00	0.00	1.00	0.00	0.00	1.00	0.00	0.00
13.31	0.00	0.00	13.92	0.00	0.00	12.99	0.00	0.00
1.00	0.00	0.00	1.00	0.00	0.00	1.00	0.00	0.00
0.50	0.00	0.00	0.50	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
21.00	0.00	0.00	21.00	0.00	0.00	20.00	0.00	0.00
900.50	0.00	0.00	975.50	0.00	0.00	976.50	0.00	0.00
951.50	0.00	0.00	951.50	0.00	0.00	901.50	0.00	0.00
50.00	0.00	0.00	75.00	0.00	0.00	50.00	0.00	0.00
0.01	0.00	0.00	0.08	0.00	0.00	0.01	0.00	0.00
0.01	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.01	0.00	0.00
3.29	0.00	0.00	6.26	0.00	0.00	6.25	0.00	0.00
1.00	0.00	0.00	1.00	0.00	0.00	1.00	0.00	0.00
0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
0.00	0.01	0.00	0.00	0.01	0.00	0.00	0.01	0.00
0.00	15.78	0.00	0.00	15.50	0.00	0.00	88.68	0.00
0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	5.204	0.00	0.00	0.01
0.00	4.16	0.00	0.00	2.28	0.00	0.00	0.01	0.00
0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.01	0.00	0.00
0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.01	0.00	0.00
0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	14.00	0.00
5892.07	**19.95**	**0.00**	**5652.350**	**17.79**	**5.204**	**5990.87**	**168.70**	**0.01**

वित्तीय व्यवस्था के स्त्रोत वर्ष 2013-2014

क्रं. सं.	मद	अयोजन भिन्न	आयोजन	के.प्र.यो.
1.	2702–लघु सिंचाई 02 भू–जल 005–अन्वेषण (01) भू–जल का सर्वेक्षण एवं अनुसंधान 800 अन्य व्यय (01) कूप द्वारा भू–जल कृत्रिम पुनर्भरण 28 विविध व्यय	1501.29	––	0.01
2.	03 रखरखाव 103 नलकूप (टयूबवैल) (01) कुओं और तालाबों का निर्माण एवं उन्हें गहरा करना (01) निर्देशन एवं प्रशासन (02) कार्यकारी	572.93 3916.65	80.00 ––	–– ––
3.	4702–लघु सिंचाई पर पूंजीगत परिव्यय 102 – भूजल (01) भू–जल विभाग द्वारा संचालित कार्य (01) मशीनरी आदि का क्रय (02) भवन निर्माण		0.01 88.68	–– ––
4.	4702 – लघु सिंचाई पर पूंजीगत परिव्यय 796– जनजातीय क्षेत्र – उपयोजना (07) लघु सिंचाई निर्माण कार्य (01) भू–जल विभाग के माध्यम से 17 वृहद निर्माण कार्य	–– ––	–– 0.01	
	योग	**5990.87**	**168.70**	**0.01**

वित्तीय आवश्यकताओं का स्पष्टीकरण :–

A. 2702 लघु सिंचाई 02–भू जल 005 अन्वेषण

(1) भूमिगत जल का सर्वेक्षण एवं अनुसंधान : रूपये लाखों में

संशोधित अनुमान वर्ष 2012-2013			बजट अनुमान वर्ष 2013-2014		
आयोजना भिन्न	आयोजना	के.प्र.यो.	आयोजना भिन्न	आयोजना	के.प्र.यो.
1276.05	–	–	1501.29	–	–

योजनाएं तथा उपलब्धियां :

राज्य के भूमिगत जल का वैज्ञानिक आधार पर सर्वेक्षण एवं अनुसंधान करना, पानी की रासायनिक जॉच करना, मौजूदा जल स्त्रोतों की वृद्धि की सम्भावनाओं का पता लगाना जैसे कार्यकलाप इस योजना में सम्मिलित है । विभाग द्वारा राज्य के समस्त 33 जिलों में उपरोक्त कार्यकलापों के तहत मॉनिटरिंग का कार्य किया जा रहा है । वर्ष 2012–13 में दिसम्बर 2012 तक उपलब्धियॉ निम्नानुसार है :–

क्र. सं किये गये कार्यो का विवरण	की-वैल मॉनिटरिंग (आयोजना भिन्न)
1. कुओं का सर्वेक्षण	15088
2. जल के नमूनों का एकत्रीकरण विश्लेषण	12009
3. जल रासायनिक परीक्षण	8310
4. जियोफिजिकल साउण्डिंग	602

स्वीकृत स्टाफ का विवरण :–

सर्वेक्षण एवं अनुसंधान मद में आयोजना भिन्न में कुल स्टॉफ 380 पद स्वीकृत हैं।

B-2702 लघु सिंचाई 103–नलकूप 03–रखरखाव

(01)कुओं और तालाबों का निर्माण एवं उन्हें गहरा करना –

(01) निर्देशन एवं प्रशासन **राशि रूपये लाखो में**

संशोधित अनुमान वर्ष 2012-2013			बजट अनुमान वर्ष 2013-2014		
आयोजना भिन्न	आयोजना	के.प्र.यो.	आयोजना भिन्न	आयोजना	के.प्र.यो.
514.20	–	–	572.93	80.00	–

इसके अन्तर्गत सम्पूर्ण विभाग के निर्देशन एवं प्रशासन सम्बन्धी व्यय होता है। मुख्य अभियन्ता कार्यालय तथा चार अधीक्षण अभियन्ता, जोधपुर जयपुर, उदयपुर, केन्द्रीय भण्डार के कार्यालयों का व्यय इस मद में किया जाता है। सर्वेक्षण एवं अनुसंधान का भी मार्गदर्शन तथा प्रशासन मुख्य अभियन्ता द्वारा होता है। विभाग के तकनीकी प्रशिक्षण संस्थान का व्यय भी इस मद से किया जाता है।

वर्ष 2012–2013 के लिए निर्देशन एवं प्रशासन मद में आयोजना भिन्न में कुल 162 अधिकारियों एवं कर्मचारियों के पद स्वीकृत है।

C- 2702 लघु सिंचाई 103– नलकूप 03–रखरखाव

(01) कुओं और तालाबों का निर्माण एवं उन्हें गहरा करना –

(02) कार्यकारी **राशि रूपये लाखो में**

संशोधित अनुमान वर्ष 2012-2013			बजट अनुमान वर्ष 2013-2014		
आयोजना भिन्न	आयोजना	के.प्र.यो.	आयोजना भिन्न	आयोजना	के.प्र.यो.
3862.10	0.00	0.00	3916.65	0.00	0.00

स्वीकृत स्टाफ का विवरण :–

आयोजना भिन्न में कार्यकारी उपमद में कुल 858 पद स्वीकृत है । कार्यकलापो की उपयोगिता को दृष्टिगत रखते हुये विभाग को वित्त विभाग के आदेश संख्या प. (4) वित्त/साविलेनि/87 दिनांक 11.12.87 द्वारा वाणिज्यिक विभाग की सूची से विलोपित (DELETE) किया गया है । कार्यो के सम्पादन हेतु वर्ष 2012–2013 में विभाग के पास निम्न इकाईयां कार्यरत है :–

1.	विस्फोटन इकाईयां	30
2.	रोटरी रिग्स इकाईयां	26
3.	ड़ी.टी.एच.रिग्स इकाईयां	12
4.	पम्प इकाईयां	7

विभिन्न प्रकार के कार्यों के लिए राज्य सरकार के आदेश क्रमांक एफ 11 (89) भूजल/वि/91 दिनांक 29.12.94 के द्वारा दिनांक 17.8.94 से दरें निम्न प्रकार निर्धारित की गई है ।

1.	रोटरी रिग ड्रिलिंग	1238/– प्रतिमीटर
2.	परक्यूशन रिग ड्रिलिंग 12" X 10"	2115/– प्रतिमीटर
3.	डी.टी.एच. 250 एम. एम. डाया ड्रिलिंग	1076/– प्रतिमीटर
4.	डी.टी.एच. 200 एम. एम. डाया 8" बोर	676/– प्रतिमीटर
5.	डी.टी.एच. 150 एम.एम. से 162 एम. एम. डाया ड्रिलिंग 6" बोर	530/– प्रतिमीटर
6.	डी.टी.एच. 100 एम. एम. से 112 एम. एम. डाया ड्रिलिंग 4" बोर	400/– प्रतिमीटर
7.	डवलपमेंट चार्जेज	295/– प्रतिमीटर
8.	एसेम्बली चार्जेज 10" x 8"	1112/– प्रतिमीटर
	10" x 6"	980/– प्रतिमीटर
	8" x 8"	980/– प्रतिमीटर
	8" x 6"	838/– प्रतिमीटर
	6" x 6"	728/– प्रतिमीटर
	4" x 4"	274/– प्रतिमीटर
9.	एसेम्बली लोवरिंग व ग्रेवल पैकिंग	295/– प्रतिमीटर
10.	पम्प टेस्टिंग चार्जेज	15230/– प्रति ट्यूबवैल
11.	स्टेम टेस्टिंग चार्जेज 13095/– प्लस	394/– प्रतिमीटर
12.	ऑपरेशन ऑफ जेनरेटिंग सेट 60 के.वी.	287/– प्रति घण्टा
13.	लोगर टेस्टिंग चार्जेज 30640/– प्लस	394/– प्रतिमीटर

14. ऑपरेशन ऑफ वैल्डिंग सेट एक्सक्लूडिंग ट्रांसपोर्ट एवं एस्टेब्लिशमेन्ट सुपरविजन प्रति घण्टा — 67.50 / – प्रति घण्टा

15. ऑपरेशन कॉस्ट ऑफ कम्प्रेशर एक्सक्लूडिंग ट्रांसपोर्टेशन एवं एस्टेब्लिशमेन्ट सुपरविजन प्रतिघंटा
    (1) हैवी ड्यूटी कम्प्रेशर 324 / – प्रतिघण्टा
    (2) कम्प्रेशर (250 C.F.M. से 350 C.F.M.) — 159 / – प्रतिघण्टा
    (3) कम्प्रेशर (170 C.F.M. से 250 C.F.M.) — 132 / – प्रतिघण्टा

16. ट्रांसपोर्टेशन चार्जेज — 13 / – प्रति किमी.

17. विस्फोटन की दरें — 45 / – प्रति होल (न्यूनतम चार्जेज 540 / –)

उपशासन.सचिव– 11, भू जल विभाग, राजस्थान जयपुर के आदेश क्रमांक एफ. 11(89)GWD/91 जयपुर दिनांक 22.12.2007 द्वारा पाईप एसेम्बली की दरें निम्नानुसार संशोधित कर दिनांक 01.04.2007 से प्रभावी की गई है :–

1 पाईप एसेम्बली चार्जेज	10" x 10"	1842 / – प्रतिमीटर
	10" x 8"	1465 / – प्रतिमीटर
	10" x 6"	1288 / – प्रतिमीटर
	8" x 8"	1050 / – प्रतिमीटर
	4" x 4"	514 / – प्रतिमीटर

<u>विस्फोटन द्वारा कुएं गहरे करने का कार्य :–</u>

राज्य के पहाड़ी एवं पठारी क्षेत्रों में पेयजल एवं सिंचाई व्यवस्था कुओं पर आश्रित है, परन्तु भूमि के अन्दर कड़ा पत्थर होने के कारण परम्परागत साधनों से वांछित गहराई तक कुएं नहीं खोदे जा सकते हैं । इस कारण कुओं में पानी की प्राप्तियां नगण्य रहती है, विभाग ऐसे कुओं को विस्फोटन इकाईयों द्वारा गहरा कर उनकी जल क्षमता को बढ़ाता है । यह अधिकांश कुएं छोटे किसानों के हैं । इनमें जल की मात्रा बढ़ने से उनको राहत मिलती है ।

वर्ष 2012–2013 एवं माह दिसम्बर 2012, तक का वास्तविक कार्य और वर्ष 2013–2014 के लक्ष्यों की स्थिति निम्नानुसार है :–

विस्फोटकीय इकाईयां	लक्ष्य प्रति यूनिट (लाखों में)	वास्तविक उपलब्धि 2011–12 (लाखों में) (Dec.12 तक)	वास्तविक उपलब्धि 2012–13 माह 12/12 (लाखों में)	अनुमान 2012–13 (लाखों में)	कुओं की संख्या 2011–12	कुओं की संख्या 2012–13 (माह 12/12 तक)
1.	2.	3.	4.	5.	6.	7.
30	4.32	64.90	29.68	129.60	1102	339

कुओं में वेधन व नलकूपों का निर्माण :–

अर्द्ध पर्वतीय चट्टानी क्षेत्र में स्थित कुओं में पानी की उपलब्धि बढ़ाने के लिये परक्यूशन रिगों द्वारा वेधन किया जाता है । नलकूप भूमि की सतह से ही बनाये जाते है । नलकूप का निर्माण नरम मिट्टी वाले अर्द्ध पर्वतीय चट्टानी इलाकों में रोटरी रिग या परक्यूशन रिग से किया जाता है, जबकि पर्वतीय एवं आग्नेयक चट्टानों वाले क्षेत्र में वायुदाब से चलने वाली डी.टी.एच.रिग काम में ली जाती है । जलदाय विभाग, अन्य सरकारी विभागों, उद्योगों एवं काश्तकारों के लिए विभाग द्वारा नलकूप बनाये ज़ा रहे है व कुओं में बोरिंग किया जा रहा है । वर्ष 2011–2012 एवं 2012–2013 में माह 12/2012 तक के लक्ष्य/उपलब्धियां तथा वर्ष 2012–2013 के लक्ष्य निम्नानुसार है :–

क्रं. सं.	मशीन का विवरण	लक्ष्य प्रति मशीन (मीटर में)	मशीनों की संख्या	उपलब्धियों 2011–12 (मीटर में)	लक्ष्य 2012–13 माह 12/12 तक	उपलब्धियां 2012–13 माह 12/13 तक	लक्ष्य 2013–14
1	2	3	4	5	6	7	8
1	रोटरी	1500	26	31886	27375	22002	37500
2	हैवी ड्यूटी कोम्बीनेशन/ डि.टी.एच.	6000	4	29388	18750	20380	24000
3	ड़ी.टी.एच. 4"	2400	3	7607	1800	6842	2400
4	ड़ी.टी.एच. 6"	4800	5	30543	18600	30743	24000

वर्ष 2012–2013 में माह 12/2012 तक 746 नलकूपों का निर्माण वेधन कार्य से किया गया है, जिसकी स्थिति निम्नानुसार है ।

क्र.सं. विवरण	नलकूप	डी.सी.बी.	हैण्डपम्प	पीजोमीटर	कुल
1. जलदाय विभाग	240	–	488	–	728
2. सर्वे. एवं अनुसंधान	–	–	–	1	1
3. अन्य सरकारी एजेंन्सी हेतु	16	–	–	–	16
4. प्राईवेट	1	–	–	–	1
योंग	257	–	488	1	746

राजस्व प्राप्तियाँ :–

इकाईयों द्वारा किये जा सकने वास्तविक कार्य को ध्यान में रखकर इन कार्यों से होने वाले राजस्व का अनुमान किया जाता है।

वर्ष 2011–2012 में राजस्व प्राप्तियों के लक्ष्य रू. 3000.00 लाख के विरूद्ध कुल वास्तविक प्राप्तिया रू. 1627.71 लाख थी । चालू वित्तीय वर्ष 2012–2013 के लिये राजस्व प्राप्तियों के लक्ष्य रू. 2400.00 लाख निर्धारित किया गया जिसे संशोधित कर रुप में 2240.19 लाख रखा गया है । चालू वर्ष में माह दिसम्बर, 2012 तक वास्तविक राजस्व प्राप्तियां रू. 347.41 लाख है । वर्ष 2013–2014 के लिये राजस्व प्राप्तियों का लक्ष्य रू. 2500.03 लाख निर्धारित किया गया है ।

गैर योजना के अन्तर्गत ''की–वैल'' मोनिटरिंग का कार्य–

गैर योजना मद में भू जल स्त्रोत व्यवस्थापन हेतु की–वैल जल स्तर मापने का कार्य गंगानगर, चुरू, हनुमानगढ़, बीकानेर, बुन्दी, टोंक, सवाईमाधोपुर, जयपुर, अलवर, दौसा, करौली, बाड़मेर, जैसलमेर, पाली, उदयपुर, डूंगरपुर, बांसवाड़ा, राजसमंद, भीलवाड़ा, नागौर, जालौर, सिरोही, झुझुंनू, कोटा, बारा, भरतपुर, धौलपुर, झालावाड़, सीकर, कोटा (चम्बल कमाण्ड), जोधपुर, अजमेर व चित्तौड़ जिलों में किया जा रहा है। इन जिलों में 15088 कुओं की जांच की गई, 12009 जल नमूनों का एकत्रीकरण किया गया तथा 8310 जल नमूनों का रासायनिक विश्लेषण किया गया। इसके अतिरिक्त 602 भू–भौतिकीय ध्वनियां ली गई।

जल मौसम विज्ञान –

जल मौसम विज्ञान के अन्तर्गत राज्य के सभी जिलों के वर्षा के आंकड़ों का संकलन कर भू जल विकास हेतु विश्लेषण किया गया है। सभी जिलों में दैनिक वर्षा का कम्प्यूटर द्वारा जल बजट, मौसम सम्बन्धित अध्याय लिखना एवं अन्य मौसम सम्बन्धित आंकड़ों का विश्लेषण कर प्रतिवेदन तैयार किया गया है। इसके अतिरिक्त राज्य के सभी जिलों के गत 15 वर्षों का वर्षा के ट्रेण्ड का भी पता लगाया गया।

दीर्घकालीन भू जल प्रबन्धन –

वर्तमान में राज्य में पेयजल की 94 प्रतिशत योजनाएं एवं सिंचाई जल की 70 प्रतिशत योजनाएं भू जल स्त्रोतों पर आधारित है इन सबके कारण भू जल दोहन तो बहुत अत्यधिक बढ़ गया है परन्तु उसके साथ भू जल भण्डार के पुनःर्भरण पर पर्याप्त ध्यान नहीं दिया गया है जिस कारण राज्य में अधिकांश क्षेत्रों में भू जल स्तर बहुत तेजी से नीचे जा रहा है तथा इसकी रासायनिक गुणवत्ता भी खराब हो

रही है। इसी कारण जल समस्या के दीर्घ कालीन समाधान हेतु राज्य सरकार ने विश्व बैंक की वित्तीय सहायता से ''राजस्थान जल क्षेत्र पुनः संरचना परियोजना'' प्रारम्भ की है। इसके अन्तर्गत दीर्घकालीन भूजल प्रबन्धन हेतु जन सहभागिता से तीन क्षेत्रों में पायलेट परियोजना प्रारम्भ की गई है।

इस परियोजना के अन्तर्गत कृषकों की सहभागिता के आधार पर भू जल प्रबन्धन, भू जल संरक्षण, भू जल पुनःर्भरण एवं नियंत्रित भू जल का दोहन जनसहभागिता द्वारा किया जा कर भू जल की उपलब्धता अधिक समय तक सुनिश्चित की जा सकेगी।

विश्व बैंक की वित्तीय सहायता से राज्य में संचालित उपरोक्त परियोजना में भू जल स्त्रोतों के सतत विकास हेतु प्रबंधन एक महत्वपूर्ण घटक है तथा परियोजना के अन्तर्गत भू जल कार्य योजना का क्रियान्वयन वित्तीय वर्ष 2002–2003 के तृतीय त्रैमास से प्रारम्भ किया गया। परियोजना में भू जल घटक हेतु कुल रुपये 4361.20 लाख का प्रावधान है जिसके अन्तर्गत वर्ष 2002–2003 में 23.91 लाख, 2003–2004 में 421.331 लाख, 2004–2005 में 372.547 लाख, 2005–06 में 109.618 लाख, 2006–2007 में 219.521 लाख, 2007–2008 में 561.883 लाख एवं वर्ष 08–09 में 406.869 लाख तथा वर्ष 2009–10 में 172.19 लाख तथा वर्ष 2010–2011 में 23.01 लाख रुपये तथा वर्ष 2011–12 में 65.56 लाख रूपये का व्यय हुआ है। इस प्रकार इस योजना में प्रारम्भ से वर्ष 2011–12 तक 2376.43 रुपये का व्यय हुआ। वर्ष 2012–13 हेतु 419.510 लाख रुपये का संशोधित बजट प्रावधान रखा गया है।

भू जल विभाग द्वारा सीकर, जोधपुर व राजसमन्द जिलों के तीन क्षेत्रों क्रमशः पिपराली पंचायत समिति, ओसियां–मण्डोर पंचायत समिति तथा खमनोर पंचायत समिति के आंशिक भागों में विश्व बैंक पोषित भू जल प्रबन्धन हेतु आरम्भ की गई। पायलट परियोजना के अन्तर्गत बेस लाईन सर्वेक्षण हेतु सोशल एसेसमेन्ट तथा आई.ई.सी. कार्य हेतु कंसलटेन्ट्स की सेवाऐं ली गई। पिपराली, खमनोर तथा ओसियां–मण्डोर पायलेट परियोजना हेतु 3 एन.जी.ओ. की सेवाऐं भी ली गई। इसके अन्तर्गत अब तक तीनों परियोजना क्षेत्रों में 70 ग्राम पंचायत स्तरीय जल प्रबन्धन समितियों (जी.पी.एल.सी.) का गठन किया जा चुका है। पायलेट ऐरिया स्तरीय तीन भू जल प्रबन्धन संस्थाओं (जी.डब्ल्यू.एम.ए.) के गठन का कार्य भी किया जा चुका है।

उपरोक्त तीनों पायलेट परियोजना क्षेत्रों में दीर्घकालिक भू जल प्रबन्धन हेतु ग्राम पंचायत स्तरीय भू जल प्रबंधन समितियों द्वारा प्रस्तावित भू जल पुनर्भरण एवं भू जल की खपत में कमी लाने से सम्बन्धित कार्य किये गये। इसके अन्तर्गत वर्षा

जल संचयन एवं भू जल पुनर्भरण संरचनाओं के निर्माण हेतु सिविल कार्य करवाये गये। वर्ष 2010–2011 में तीनों पायलट क्षेत्रों हेतु रुपये 773.18 लाख राशि के 325 कार्य जो राज्य सरकार द्वारा स्वीकृत थे का निष्पादन पंचायत स्तरीय समितियों द्वारा भू–जल विभाग के तकनीकी सहयोग से पूर्ण किये गये है। इसके अन्तर्गत पिपराली जिला सीकर में 126 कार्य, मण्डोर–औसियां जिला जोधपुर में 118 कार्य एवं खमनोर जिला राजसमन्द में 81 कार्य पायलेट क्षेत्रों में वर्ष 2010–11 में पूर्ण किये गये है। वर्ष 2012–13 में जल संसाधन विभाग के माध्यम से 73 जी.पी.एल.सी. एवं जी.डब्ल्यू.एम.ए. के कार्यालय भवन निर्माण हेतु 54 पट्टे प्राप्त किये गये। उनमें से 23 स्थानों पर कार्य प्रगति पर है जबकि 7 कार्यालय भवनों का निर्माण पूर्ण कर दिया गया है। इस कार्य हेतु चालू वित्तीय 2012–13 में कुल रुपये 77.61 लाख का आवंटन निम्न प्रकार क्रिया गया है –

1.	जल संसाधन खण्ड जोधपुर	20.00 लाख रुपये
2.	जल संसाधन खण्ड सीकर	25.61 लाख रुपये
3.	जल संसाधन खण्ड राजसमन्द	32.00 लाख रुपये

राजसमन्द पायलेट परियोजना क्षेत्र में काश्तकारों के कुओं पर कुल 1800 वाटर मीटर लगाये जा रहे है। उपरोक्त पायलेट परियोजनाएं जन भागीदारी द्वारा क्रियान्वित की जा रही है इन पायलट परियोजनाओं के प्रयास की सफलता पश्चात् राज्य के अन्य जिलों में भी जन भागीदारी से भू जल प्रबंधन के कार्य प्रारम्भ किये जा सकेंगे।

विश्व बैंक एवं राजस्थान सरकार की आपसी सहमति से परियोजना का अतिरिक्त वितीयकरण (एडीशनल फाईनेनसिंग) प्रस्तावित कर परियोजना का कार्यकाल अगले तीन वर्ष (2010 से 2013 तक) बढ़ाया गया है। इसके अन्तर्गत वित्तीय वर्ष 2012–13 हेतु राशि 421.428 लाख का प्रावधान रखा गया है।

यूरोपीयन कमिशन स्टेट पार्टनरशिप कार्यक्रम :–

इस कार्यक्रम के अन्तर्गत वित्तीय वर्ष 2012–13 हेतु राशि 548.38 लाख (राशि रु. पांच सौ अड़तालीस लाख अड़तीस हजार) का बजट प्रावधान उपलब्ध है। वित्तीय वर्ष 2013–14 हेतु राशि 2689.35 लाख का बजट प्रावधान रखा गया है। इस कार्यक्रम का उद्देश्य राज्य के जल संसाधनों का विभिन्न गतिविधियों द्वारा दीर्घकालीन प्रबन्धन जन सहभागिता द्वारा सुनिश्चित करना है। इस योजना के अन्तर्गत 31.12.2012 तक 241 कुल पीजोमीटर का निर्माण किया जा चुका है। इसके अतिरिक्त इस योजना के अन्तर्गत निम्न गतिविधियाँ संचालित की गयी है।

1. राज्य के भू जल संसाधनों हेतु ग्रामवार एक्यूफर मैपिंग तथा भू जल मोनिटरिंग सिस्टम की बैंच मार्किंग की फाईनल रिपोर्ट कंसल्टैंट द्वारा प्रस्तुत की जा चुकी है। विभाग द्वारा इसे चैक किया जा रहा है।
2. विभाग की रसायन प्रयोगशालाओं के नवीनीकरण के अन्तर्गत उपकरणों की खरीद की जा चुकी है। तथा अन्य सिविल कार्य प्रगति पर है।
3. राज्य के जिला मुख्यालयों पर 33 डिजीटल वाटर लेवल रिकोर्डर भू जल मोनिटरिंग हेतु पीजोमीटर पर लगाये जा चुके है।
4. राज्य में ओवर एक्सप्लोईटेड एवं क्रिटिकल ब्लॉक की स्थिति का चित्रण करते हुए पंचायत समिति वा ब्रोशर वितरित कराये गये ताकि आमजन को घटते भू जल स्थिति की जानकारी मिल सके व जल संरक्षण की प्रेरणा मिल सके।
5. भू जल विभाग की वेब–साइट राज्य डेटा सेन्टर द्वारा इसी वर्ष लांच होना प्रस्तावित है।

भू जल संसाधनों का आंकलन :

विभाग द्वारा राज्य के भू जल संसाधनों का आंकलन भारत सरकार की ग्राउण्ट वाटर एस्टीमेशन कमेटी (जी.ई.सी.) द्वारा दिये गये दिशा निर्देश के अनुसार किया जाता है। इसके अनुसार प्रति तीन वर्ष में जिलेवार भू जल आंकलन किया जाता है। राज्य का नवीनतम ड्राफ्ट भू जल आंकलन 31.03.09 की स्थिति के आधार पर किया गया है।